बेरंगी दुनिया में रंग घोल के तो देखो
दुनिया के सामने दिल खोल के तो देखो

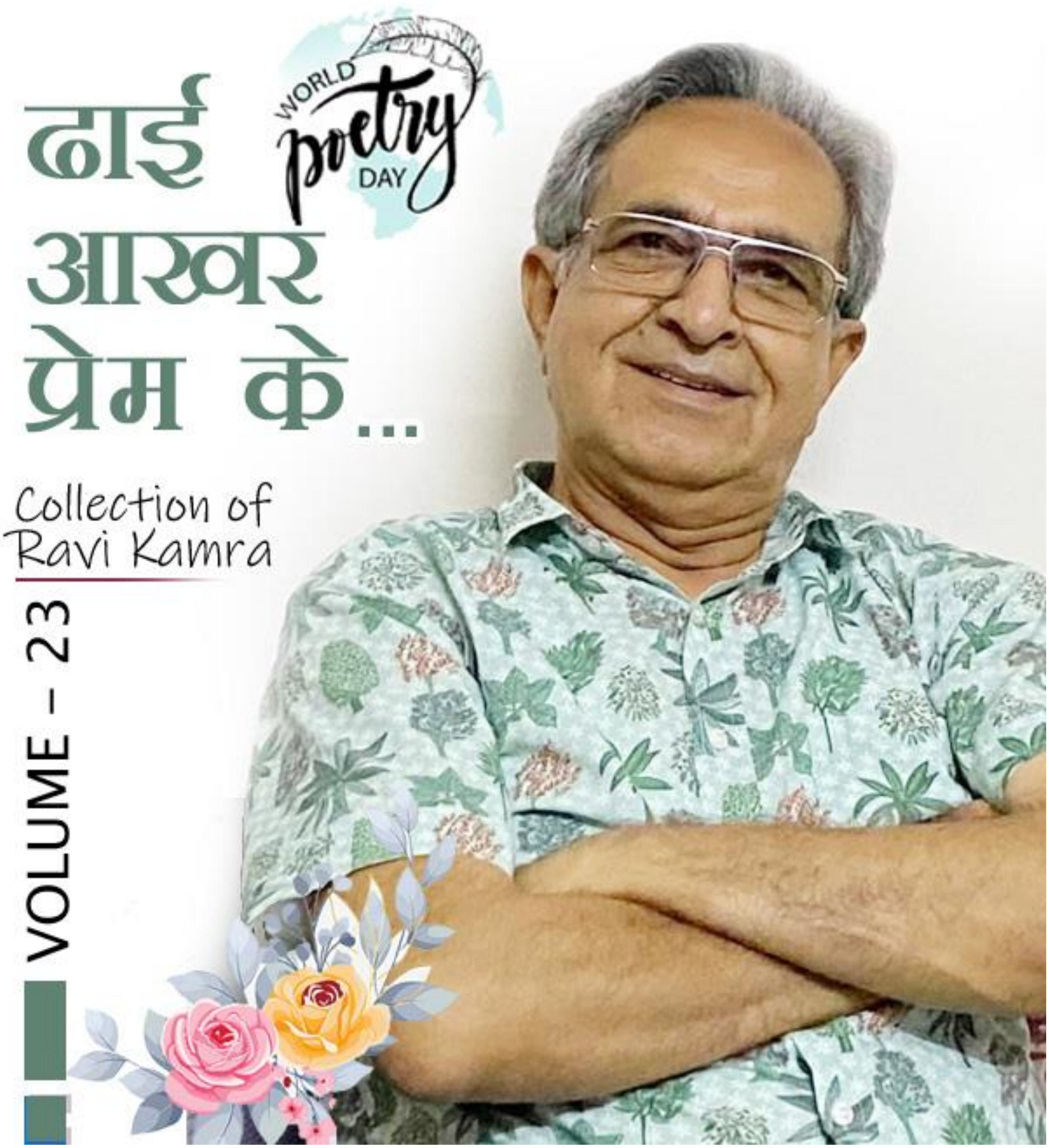

- **“बस तेरा नाम ही मुकम्मिल है**
  इस से बेहतर भी नज़्म क्या होगी”
  गुलज़ार साब

- घर का आईना भी, अब हक जताने लगा है
  ख़ुद तो वैसा ही है, पर मेरी उम्र बताने लगा है.

- किसी के लम्स का ये मोजज़ा है
  बदन सारा सुनहरा हो गया है

- बातें दो पल की,,,
  इंतेज़ार सुबह से शाम तलक का..

- ये आप हैं, के आया है मौसम बहार का,
  शादाब कर दिया हमे, महका दिया हमे....

- कुछ नहीं चाहिए तुझ से ऐ मिरी उम्र-ए-रवाँ
  मिरा बचपन मिरे जुगनू मिरी गुड़िया ला दे

- मुहब्बत मानी-ओ-अलफाज में लाई नहीं जाती
  यह वो नाज़ुक हक़ीक़त है जो समझाई नहीं जाती ~
  'शेरी' भोपाली

- देखने के लिए सारा आलम भी कम
  चाहने के लिए एक चेहरा बहुत

- वो लम्हा जब मेरे बच्चे ने माँ पुकारा मुझे
  मैं एक शाख़ से कितना घना दरख्त हुई ~
  हुमैरा रहमान

- कम-से कम बच्चों के होठों की हंसी की ख़ातिर
  ऐसी मिट्टी में मिलाना कि खिलौना हो जाऊँ

- न मंजिलों को, न हम रहगुज़र को देखते हैं
  अजब सफ़र है कि बस हमसफ़र को देखते हैं

- रंगी दुनिया में रंग घोल के तो देखो
  दुनिया के सामने दिल खोल के तो देखो

- फलसफा बस इतना सा है ज़िन्दगी का
  जब "ब्रेड" कमाने लग गये तो
  "बटर" लगाने वाले खूब मिलेंगे

- ख्याल में भी नहीं आता अब
  हमें ख्याल किसी और का
  सिर्फ तेरे ही ख्याल में इतने
  बे-ख्याल रहते हैं हम.......

- **बहकने के लिए तेरा ख्याल ही काफी है,**
  पैमाने का होठो से लगाना जरुरी नहीं है!!

- इक कदम ही तो बढ़ाना है,
  फिर हर ग़म पीछे रह जायेगा.......

- वो कहानी थी, चलती रही ...
  मैं किस्सा था, ख़त्म हुआ..

- हाँ !
  कहानियों को
  कविताओं की
  दरकार नहीं है
  पर
  हर कविता को
  पूरा होने के लिये
  किसी की
  कहानी से
  गुजरना पड़ता है...!!

- एक साफ़ सुथरे चौकोर कागज की तरह
  उठाकर ज़िन्दगी को प्यार से
  सोचता हूँ इस पर कुछ लिखूँ
  फिर
  उसे कई मोड़ देकर
  कई तहों में बांटकर
  एक नाव बनाता हूँ
  और बहते पानी पर चुपचाप छोड़कर
  उससे अलग हो जाता हूँ।
  बहाव में वह
  कागज नहीं

एक बच्चे की खुशी है।
~कुंवर नारायण

- अब तो मर जाता है रिश्ता ही बुरे वक्तों पर
  पहले मर जाते थे रिश्तों को निभाने वाले
  जो तेरे ऐब बताता है उसे मत खोना
  अब कहाँ मिलते हैं आईना दिखाने वाले

- बिछड़ कर लगा आज जमाने ठहर गये ...
  तुज से बिछड़ कर गुजारा नही होता

- जिस बात पर कोई मुस्कुरा दे,
  बात बस वहीं ख़ूबसूरत है.!!

- परिस्थितियों के अनुसार , सब चीज सुंदर है,
  जो स्कूल की घंटी , सुबह के समय बेकार लगती है,
  वही छुट्टी के समय , बहुत अच्छी लगती है।

- रंग बातें करें और बातों से ख़ुश्बू आए,
  दर्द फूलों की तरह महके अगर तू आए..

- बहुत गुरुर था छत को छत होने पर
  एक मंज़िल और बनी,
  और छत फ़िर से फर्श हो गया!!

- करना चाहूँ गर शिकायत , तो कैसे करूँ
  मेरी खामोशी उन पे असर नही करती....

- शिकायतों की भी इज्जत है ,
  हर किसी से नहीं की जाती ...

- उसको आहट जो मेरे, क़दमों की आई होगी
  कितने अंदाज़ से , ज़ुल्फ़ों को सँवारा होगा.

- बड़े ही अजब मैं तेरे ग्रां दे लोग डिठे ने
  दिलों नमकीन हन सारे जुबानों बोत मिठे ने

- कभी बात करने का मन नहीं होता,
- कभी बात करने को कोई नहीं होता..

- समझते थे पर न रखी दूरियां हमने
  चिरागों को जलाने में जला ली उँगलियाँ हमने

- अक़्ल ये सोच के थक जाती है
  इतनी नफ़रत कहाँ से आती है !!!

- एक बार उस से क्या मिलीं नज़रें
  दिल को अब बार बार की ज़िद है

- 'मीर' बंदों से काम कब निकला
  माँगना है जो कुछ ख़ुदा से माँग

- मैं कहीं भी, कभी भी..
  जब भी किसी चीज़ को 'जोड़े' में देखता हूँ,
  मुझे अनायास तुम्हारी याद क्यूँ आ जाती है ?
  मुझे तुम 'अकेले' क्यूँ नहीं रहने देती कभी ??

- दिन के उजालों, रात सितारों में देखना
  तुम ख़ुद को कभी मेरी आँखों में देखना

- इस को रखिए, पहन के सारी उम्र,
  मुस्कराहट, ख़ुदा की नेमत है !!........
  अंजुम लुधियानवी

- जब बहुत कुछ कहने को
  जी चाहता ना तब
  कुछ भी कहने को
  जी नहीँ चाहता.....!!
  ~ दीप्ति नवल

- प्यार करना
  आना चाहिए... जनाब...
  हो तो सबको जाता है...

- जब गले अपना ख़ून मिलता है
  पूछ मत क्या सुकून मिलता है

- थाम लो हाथ इससे पहले के....
  तुम्हारे होठों पर काश रह जाये....

- समझ में नहीं आते " ए दिल" ये इरादे तेरे
  इश्क़ से तौबा

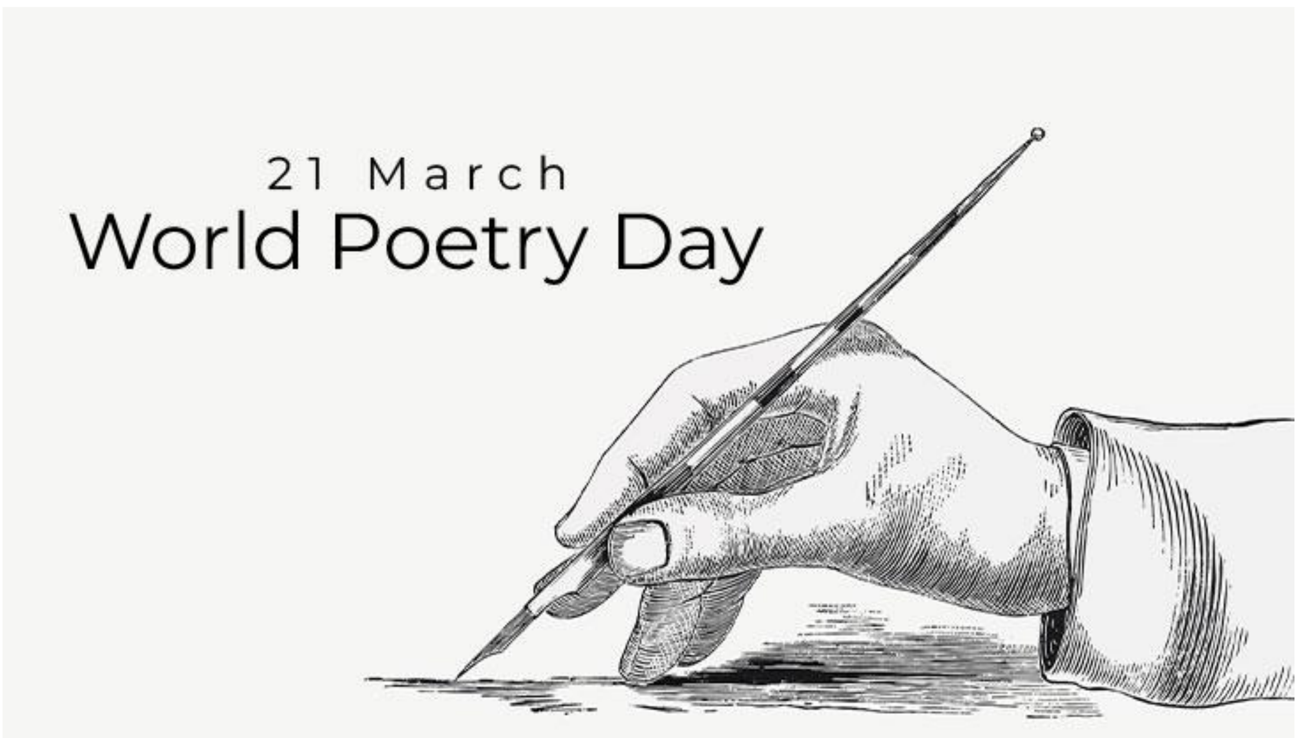
21 March
World Poetry Day